Department of sociology

M A I sociology

Semester II

Paper 1

Classical theoretical foundation.

K.p.Tagde

Scanned with CamScanner

DATE ___
PAGE NO ___
mycompanion

मैक्स वेबर

(1864 – 1920)

⊙ कृतियाँ ⊙

Imp 1) The Protestant Ethics and Spirit of Capitalism (1905)

2) The Religion of China (1916)

3) The Religion of India (1916-17)

4) Ancient Judaism (1917-19)

5) Economy and Society (1921)

Imp 6) Sociology of Religion (1922)

7) The city

8) General Economic History

9) The Theory of Social & Economic Organisation 1925

(Imp) 10) The methodology of Social Sciences (1949)

☆ The Rational Foundation of Music (1958)

⊙ जर्मन राजनीतिक, अर्थशास्त्री तथा समाजशास्त्री

⊙ २१ अप्रैल १८६४ में जर्मन के इरफर्ट नामक स्थान पर जन्म हुआ।

- ~~मॅक्स वेबर को~~ आधुनिक समाजशास्त्र को एक विशिष्ट सामाजिक विज्ञान के रूप में प्रतिष्ठित करनेवाला ~~समाजशास्त्री~~ प्रवर्तक समाजशास्त्री माना जाता है.

- आचार्य पदवी प्रबंध - History of Commercial Societies in the Middle Age.

- जर्मन सोशियॉलॉजिकल सोसायटी की स्थापना टॉनिज, सिमेल तथा वेबरने की.

- सामाजिक घटनाओं का अध्ययन ~~करने के हेतु~~ करनेवाले विषय को विज्ञान का दर्जा प्राप्त होने के हेतु पद्धतिशास्त्र को अपनाया है.

- वेबरने पद्धतिशास्त्र में आदर्श प्रारूप की संकल्पना वर्णित की है.

- समाजशास्त्र के उत्थान में मॅक्स वेबर का योगदान बहुत ही महत्वपूर्ण है.

- मॅक्स वेबर ने 'आदर्श प्रारूप' यह संकल्पना डिल्थे तथा जॉर्ज सिमेल से लिया है.

- मॅक्स वेबर के समाजशास्त्र की अध्ययन वस्तु सामाजिक क्रिया है.

Scanned with CamScanner

- मॅक्स वेबर के अनुसार "समाजशास्त्र वह विज्ञान है जो सामाजिक क्रियाओं का व्याख्यात्मक (विश्लेषणात्मक) बोध का प्रयत्न करता" इस प्रकार समाजशास्त्र की परिभाषा स्पष्ट की है।

- मॅक्स वेबरने अपने अध्ययन में वैज्ञानिक पद्धतीका उपयोग करके सामाजिक विज्ञान एक अलग पहचान दिलाने का प्रयास किया।

- आपने समाजशास्त्र में 'आदर्श-प्रारूप' इस संकल्पना का विकास किया है।

- समाजशास्त्र में प्ररूपवादी पद्धति को वेबरने शुरू की।

- आदर्श प्रारूप यह एक सामाजिक घटना या क्रिया के अति महत्वपूर्ण पक्षों का निरूपण है। (विवेचना करना, अच्छी तरह समझाना, निर्णय)

- आदर्श प्रारूप का संबंध घटना के सामान्य लक्षणों से है।

- सामाजिक क्रिया का तात्पर्य ऐसी क्रिया से है जो दूसरे व्यक्ति के प्रति की जाती है और जिनके साथ हम व्यक्तिपरक अर्थ जोडते हैं

- वेबरके सामाजिक क्रिया के चार प्रकार बताये है।

(1) पारम्परिक (पारम्परिक) (2) भावात्मक
(3) मूल्यांकनात्मक (4) तार्किक।

- मॅक्स वेबरके समाजशास्त्र का मुख्य तत्व तार्किकता या तार्किकीकरण रहा है।

Scanned with CamScanner

- मैक्स वेबर ने अपनी कृति "Structure of Social Action" में सामाजिक क्रिया की अवधारणा को स्पष्ट किया है।

- आपने यथार्थ को वस्तुपरक रूप में समझने हेतु 'आदर्श प्रारूप' की विधि को प्रस्तुत किया है।

- वेबर के अनुसार "सामाजिक क्रिया" हम तभी समझ सकते हैं जब क्रिया करने वाले व्यक्तियों द्वारा लगाये गये व्यक्तिनिष्ठ अर्थ के अनुसार उस क्रिया में दूसरे व्यक्तियों के मनोभाव तथा क्रिया का समावेश हो और उन्हीं के अनुसार उसकी गतिविधि निर्धारित हो।

- आपकी सामाजिक वर्ग की संकल्पना मुख्यतः आर्थिक आधारोपर आधारित है। (आर्थिक) →

- मैक्स वेबर के अनुसार "सामाजिक वर्ग" सामाजिक व्यवस्था का एक अंग है।

- कर्ता के वास्तविक प्रयोजन के आधारपर प्रारूप की निर्मिति कि जाती है उसको ही जर्मन भाषा 'वरस्टेहन' (Verstehen) कहते है।

- आपने समाज को दो प्रमुख वर्गों मे विभाजित किया
  (a) सम्पत्ति का अधिकारी
  (b) सम्पत्ति विहीन

Scanned with CamScanner

DATE / /
PAGE NO:
my companion

1) वेबरने सत्ता की अवधारणा के सिध्दांत मे यह कहा की, सत्ता उन्ही के हाथ में रहती है जिनके पास सम्पत्ति तथा उत्पादन के साधन होते है।

2) आपने सत्ता के तिन प्रकार बताये है.

अ) वैधानिक सत्ता (ब) परम्परागत सत्ता (क) करिश्माई सत्ता.

3) मॅक्स वेबरने आधुनिक नोकरशाही के बारेमे विचार व्यक्त किये है,

4) 'धर्म का समाजशास्त्र' इस ग्रंथ में वेबरने विश्व के प्रमुख छह (छे!) धार्मिक अध्ययन किया है,
1) कन्फ्युशियन (2) ईसाई (3) यहूदी (4) हिन्दू (5) बौध्द (6) इस्लाम.

5) नोकरशाही (लालफितशाही) के बारेमे क्रमबध्द तरिकेसे प्रथम अध्ययन करने श्रेय मॅक्स वेबर को जाता है।

6) आदर्श शब्द का संबंध मुल्यांकन से नही होना चाहिये समाजशास्त्रीने कोई भी सामाजिक घटनाओंका अध्ययन करते वक्त उस घटना का एक प्रारुप निर्माण करना महत्वपूर्ण होता है।

7) प्रोटेस्टंट धर्म एवं पूंजीवाद के संबंध में मॅक्स वेबरने "दि प्रोटेस्टंट इथिक ॲण्ड दि स्पिरिट ऑफ कॅपिटलिज्म" यह ग्रंथ लिखा है.

8) वेबरने आदर्श प्रारुप कि विशेषता बताई है.

अ) आदर्श प्रारुप यह आत्मनिष्ठ/(व्यक्तिनिष्ठ) होते है.
ब) आदर्श प्रारुप भावात्मक होते है.
क) आदर्श प्रारुप यह परिवर्तनशील होते है -

Scanned with CamScanner

DATE __/__/__
PAGE NO ______
my companion

(•) मॅक्स वेबर ने सामाजिक स्तरीकरण के रूप में प्रस्थिति समूह (स्टेटस ग्रुप) की अवधारणा का प्रयोग किया है.

(•) आपने सामाजिक क्रिया कि विशेषता निम्न प्रकार है.

(a) सामाजिक क्रिया यह भूत, वर्तमान तथा ~~स्वाक~~ भविष्य काल से प्रभावित होना चाहिये.

(b) ~~प्र~~ हर (प्रत्येक) प्रकारकी क्रिया यह सामाजिक क्रिया नही होगी.

(c) हर (प्रत्येक) मानव संपर्क सामाजिक क्रिया नही.

(•) ~~अनेक व्यक्तियोंका समान क्रिया~~
अनेक व्यक्तियोंके माध्यम से एकसमान होनेवाली क्रिया सामाजिक क्रिया नही होगी.

(•) 'डच डेमाक्रॅटिक' पक्ष के वेबर सदस्य थे.

(•) 'इकॉनामी अँड सोसायटी' इस ग्रंथ में वेबरने राजनीति समाजशास्त्र के संबंध में अध्ययन किया है.

(•) ~~मॅक्स वेबरकी~~ मॅक्स वेबरने नोकरशाहीकी विशेषता निम्न प्रकारकी बतायी है.

1) नियमपर आधारित
2) ज्येष्ठ-कनिष्ठ
3) कार्यो का विशेषीकरण
4) लिखीत दस्तावेज (कागदपत्र) प्रपत्र
5) नियमोंके ~~द्वारा~~ कि माध्यमसे नियंत्रण
6) क्षमतापूर्ण कार्य.

Scanned with CamScanner

सामाजिक क्रिया

(42)

Vilfredo Pareto

विलफ्रेडो पॅरेतो. (1848 - 1923)

प्रमुख कृतियाँ

- The Mind and Society, 4. Vol. (1935)
- Sociological writing (1966)
- The Other Pareto (1980)
- Course d. Economic politique

- पॅरिस शहर में जन्म १५ जुलै १८४८
- पॅरेतोने वैज्ञानिक समाजशास्त्र को 'तार्किक-प्रयोगात्मक विज्ञान' नाम दिया है.
- उन्होंने तार्किक-प्रयोगात्मक पद्धतीके तीन आधार बताये है

अ) निरीक्षण (ब) वस्तुनिष्ठ अनुभव (वैयक्तिक अनुभव) (क) तर्कसंगत निष्कर्ष

- पॅरेतो को फासिस्टवाद का पैगंबर कहा जाता है.
- समाज में ~~दिखनेवाली~~ दिखायी देनेवाली मानवीय क्रियाओं को दो भागों में वर्गीकरण किया है.

अ) तर्कसंगत क्रियाए (2) अतर्कसंगत क्रियाए.

⇒

- पॅरेतो अभिजनों (एलिट) के विश्लेषण और "अभिजन-परिभ्रमण" (सरक्युलेशन ऑफ एलिट) की अपनी अवधारणा के लिये जाने जाते है।
- अभिजन की श्रेणी में कुछ मुट्ठीभर व्यक्ती होते है जो अधिकांश व्यक्ति पर शासन करते है।

Scanned with CamScanner

(प्रातीतिक = काल्पनिक)

- आपने 'मन और समाज' इस कृति में अभिजन सिद्धांत का विश्लेषण किया है।

(आपके अनुसार)
- अर्थशास्त्र में तार्किक क्रिया का ही विश्लेषण किया जाता है।

- पैरेटो के अनुसार समाजपर अतार्किक क्रियाओं का प्रभाव अधिक होता है।

- आपने अतार्किक क्रिया के दो प्रकार बताये हैं।

अ) अवशिष्ट चालक (रेज़िड्यूज) ब) भ्रांत-तर्क (डेरिवेटिवज)

- मानव के अतार्किक और बुद्धिहीन व्यवहारों को प्रेरित करनेवाली भावनाओं व उद्वेगों को पैरेटोने अवशिष्ट चालक कहा है।

* Similar
- पैरेटो के अनुसार सामाजिक घटना और सामाजिक लक्ष्य में अंतःसंबंध तथा अंतर्निर्भरता होती है।
- भ्रांत तर्क क्रियाओं का एक ऐसा व्यापक समूह है जिसके द्वारा कर्ता अपने व्यवहार की तार्किकता और औचित्य (औचित्य) को स्थापित करने का प्रयत्न करता है।
- पैरेटो के अनुसार तर्कसंगत (तार्किक) क्रियाओ का आधार सामान्यतः वस्तुनिष्ठ (वैषयिक) (objective) होता है। और अतर्कसंगत (तर्कविसंगत) क्रियाओं का आधार व्यक्तिनिष्ठ (प्रातीतिक) (subjective)

यथार्थ = तर्कयुक्त - (वैधयिक) (44)

mycompanion

- पैरेतो के अनुसार तार्किक क्रिया वह होती है जिसमें साधन और लक्ष्य होते हैं। और अतार्किक क्रिया वह होती है जहाँ साधन और लक्ष्य का अभाव होता है।

- तार्किक क्रिया का आधार

- प्रत्येक सामाजिक या व्यक्तिगत क्रिया के दो पक्ष होते हैं।

(1) लक्ष्य (2) साधन

- पैरेतो के अनुसार स्वर्गीय ~~प्रोफेसर~~ प्रोफेसर मैक्स हैडमैन के शब्दों में " मानव - जाति का इतिहास तर्कसंगत दिख पड़े, इसके लिए किये जाने वाले प्रयासों का एक क्रम है "

- पैरेतो ने मानव क्रिया को विश्लेषित करके उन क्रियाओं के दो पक्ष बताते हैं।

(a) स्थिर पक्ष (b) अस्थिर पक्ष

- पैरेतो के अनुसार विशिष्ट चालक को स्थिर पक्ष कहा है तथा परिवर्तनशील पक्ष को भ्रान्त तर्क कहा है।

Transfer

- पैरेतो के अनुसार ~~'प्रेरणा' 'विशिष्ट'~~ विशिष्ट चालक प्रेरणाओं की अपेक्षा अधिक स्थिर होते हैं।

Scanned with CamScanner

विशिष्ट

① ~~वि~~ विशिष्ट चालक को कोई तार्किक आधार नहीं होता.

② (विशिष्ट) ~~वि~~विशिष्ट चालक मूल - प्रवृत्तियों और भावनाओं की अभिव्यक्ति है।

③ भ्रांत तर्क क्रियाओं का बहु व्यापक क्षेत्र है जिसके द्वारा मनुष्य व्यवहार की तार्किकता के संबंध में स्वयं अपने तथा अपने साथियों को समझाने या विश्वास दिलाने का प्रयत्न करते है. ये भ्रान्त तर्क - ~~ब~~ भ्रान्त होते है तर्कसंगत नहि होते.

④ सामाजिक क्रिया को प्रभावित करने वाले प्रथम विचारक परेतो ही थे.

⑤ पॅरेतो ने सामाजिक परिवर्तन के बारेमे अभिजन सिद्धांत प्रतिपादित किया है.

⑥ पॅरेतो के अनुसार "सत्य की खोज करो चाहे वह स्वर्ग हो या ~~नर्क~~ नरक.

⑦ पॅरेतो ~~ने~~ ~~अनुसार~~ विशिष्ट चालक को छः भागोमें ~~विभाग~~ विभाजित किया है।

① सम्मिलन के विशिष्ट चालक ② समूह - के ③ स्थायित्व के विशिष्ट चालक ④ सामाजिकता से संबंधित विशिष्ट चालक ⑤ व्यक्तित्व संगठन के विशिष्ट चालक ⑥ यौन सम्बन्धी विशिष्ट चालक

Scanned with CamScanner

my companion

(•) पॅरेतो के अनुसार भ्रान्त तर्क के चार वर्ग है.

(1) घोषणाएं (2) अधिकार या अधिसत्ता.

(3) भावना (4) या सिद्धांतो से अनुरूपता.

(4) मौखिक प्रमाण.

(•) पॅरेतो के अनुसार " यह आवश्यक नहीं कि प्रत्येक सत्य उपयोगी हो और प्रत्येक अंधविश्वास हानिकारक हो.

कुलीन- उच्च; अभिजात,

(•) पॅरेतो के अनुसार " इतिहास कुलीन तन्त्रों (तन्त्र) का कब्रिस्तान है (इतिहास हो शिष्टजनवर्ग श्मशानभूमि और) (History is a grave yard of aristocracy.)

(•) · पॅरेतो ने सामाजिक परिवर्तन का चक्रिय सिद्धांत प्रस्तुत किया है.

आपके अनुसार..

(•) " समाज सामाजिक संतुलन की व्यवस्था है।

(•) पॅरेतो के अनुसार समाज में दो विरोधी शक्तियाँ निरंतर क्रियाशील रहती है.

अ) वह शक्ति जो सामाजिक व्यवस्था को भंग करने का प्रयत्न करना

ब) दूसरी वह शक्ति जो सामाजिक व्यवस्था को संगठन बनाये ~~रखरखती~~ रखती है,

(•)

Scanned with CamScanner

DATE __/__/__
PAGE NO ______
mycompanion

(a) पैरेतो के अनुसार भ्रांत तर्कों के चार वर्ग होते हैं.

1) घोषणाएं
2) अधिकार ~~शक्ति~~ या अधिसत्ता.
(3) भावना या सिद्धांतो से अनुरूपता.
(4) मौखिक प्रमाण.

(b)

(c) पैरेतो के अनुसार "यह आवश्यक नहीं कि प्रत्येक सत्य उपयोगी हो और प्रत्येक अन्धविश्वास हानिकारक हो"

(d) पैरेतो के अनुसार अभिजात वर्ग के अन्तर्गत निरंतर ऊपर नीचे आने जाने की ~~एक प्रक्रिया~~ या स्थान बदलने की प्रक्रिया चलती रहती है जिसे अभिजातों का परिभ्रमण कहा जाता है।

(e) पैरेतो ने समाज के दो वर्ग बताया - (1) उच्चवर्ग - (अभिजात) Elite
(2) निम्नवर्ग - Non Elite

(f) पैरेतो ने सामाजिक परिवर्तन के चक्रिय सिद्धांत को दो श्रेणी के विशिष्ट चालकों के आधार पर समझाया है

a) सम्मिलन के विशिष्ट चालक.

b) समूह के स्थायित्व के विशिष्ट चालक.

(g) पैरेतो ने सामाजिक परिवर्तन का चक्रिय सिद्धांत प्रस्तुत किया है। इसके अनुसार सामाजिक संरचना में ऊँच-नीच का संस्मरण होता है, यह संस्मरण दो वर्गों के द्वारा होता है (उच्च - निम्न).
इन दो वर्गों में चक्रिय गती (परिवर्तन) पायी जाती है

(h) सामाजिक परिवर्तन का चक्रीय रूप प्रमुख रूप से तीन क्षेत्रों में देखने को मिलता है -
(a) राजनीतिक, (b) आर्थिक (c) आदर्शात्मक.

Scanned with CamScanner

DATE / / PAGE NO.
mycompanion

- राजनीतिक क्षेत्र में शेर तथा लोमड़ी दो प्रकार के लोग होते है अर्थात एक प्रकार के लोग वह होते है जो शासन करते है और दूसरे प्रकार के लोग वह होते है जो शासित होते है.

- पैरेतो के अनुसार, कहते है
"मेरी इच्छा समाजशास्त्र की प्रणाली को खगोलशास्त्र भौतिकशास्त्र और रसायनशास्त्र के मॉडल पर ढालने की है.

- पैरेतो ने समाज की एक ऐसी संतुलनशील व्यवस्था के रूप में कल्पना की है जिसकी सम्पूर्णता परस्पर निर्भर भागों से बनी होती है. यदि एक भाग में कोई परिवर्तन आता है तो वह सम्पूर्ण व्यवस्था के अन्य भागों को प्रभावित करता है।

- आलोचकों के अनुसार पैरेतो का परिवर्तन का सिद्धांत जनता की पीड़ा की अवहेलना करता है क्योंकि, अभिजन आते है और जाते है लेकिन जनता की ~~अवस्था~~ जो दशा होती है वह यथावत होती है

- पैरेतो ने अभिजन सिद्धांत में यह दर्शाने का प्रयास किया है की समाज मुख्यतः एक छोटे से अभिजन समूह में संचालित होता है जो अपने सतर्क स्वार्थों के आधार पर काम करते है.

- पैरेतो यह मानते है की, सामान्य जन समुदाय में तर्क-वितर्क का अभाव होता है, उनमे परिवर्तन लाने की क्रांतिकारी शक्ति नहीं होती. परिवर्तन तब होता है जब वर्तमान अभिजन का पतन हो और उसके स्थान पर

Scanned with CamScanner

- पॅरेतो ने कल्याण - अर्थशास्त्र के संबंध में "विल्फ्रेड पॅरेतो सिद्धांत" के नाम से प्रतिपादित किया है

- इस सिद्धांत की खासियत यह है की बिना किसी नुकसान से कम से कम एक व्यक्ति की स्थिती में सुधार किया जाय.. इसे हि "पॅरेतो - सुधार" कहते है

- पॅरेतो ने 'पॅरेतो इष्टतमा' (ऑपटिमलिटी) इस संकल्पना को स्पष्ट किया है।

- समाजशास्त्र के क्षेत्र में ~~पॅरेतो से~~ मॅक्स वेबर के पहले पॅरेतो ने ~~मॅक्स वेबर ने~~ सामाजिक क्रिया का अध्ययन किया लेकिन ~~पॅरेतो जैसे पॅरेतो के मॅक्स वेबर~~ पॅरेतो को ~~उतनी प्रसिद्धी नहीं मिली जो की बाद में~~ ~~मिली~~ मॅक्स वेबर को मिली.

- पॅरेतो के अनुसार आर्थिक क्षेत्र में सट्टेबाज (speculators) तथा निश्चित आय वर्ग इस प्रकार दो वर्ग के लोग होते है.
- आदर्शात्मक क्षेत्र में अविश्वास और विश्वास का चक्र चलता रहता है.

~~The Structure and Function~~

- द स्ट्रक्चर ऑफ सोशल ॲक्शन (1937) में पारसन ने अपने इस ग्रंथ में पॅरेतो के सामाजिक क्रिया के सिद्धांत का महत्व विशद किया है

- अभिजन का निम्न वर्ग मे बदलाव - अधोगामी गतीशीलता

- निम्न वर्ग से अभिजन वर्ग में बदलाव - ऊर्ध्वगामी गतीशीलता

Scanned with CamScanner